

Shashthapithadhiswar
Goswami Shree Dwarkeshlalji Maharaj

"Shashthapith" Shree Kalyanraji Mandir, Bajwada, Sheth Sheri, Mandvi, Vadodara - 390 001. (Guj.) India.
Ph. : 0265-2423322, 2426942. Email : shreeyadunathji@yahoo.co.uk, info@shreekalyanpushti.org
website : www.shreekalyanpushti.org

दिनांक : २५/०८/१५

आदरणीय श्री प्रणयकुमारजी महोदयश्री

प्रणाम,

विषय : आपकी अति विलक्षण चित्रकला शैली और उनके गांभीर्य के संदर्भ में हमारे प्रतिभाव

कला अपने आप में परब्रह्म परमात्मा के द्वारा रचित इस अनुपम सृष्टि का विलक्षण अंग है ।
अतः कला स्वयं ईश्वर रूप है, ये कहे तो कोई अतिशयोक्ति नहि ।

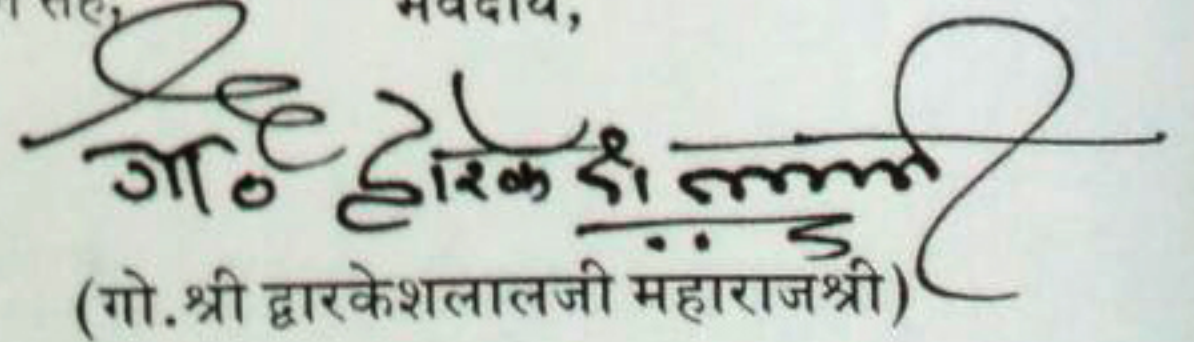
आपकी चित्रकला शैली जो Competory और Traditional आर्ट का एक अद्भूत संगम है । जिसमें कई अलग अलग Concept हमने देखे और उस पर चिंतन किया उन सभी का वैदिक, पौराणिक, मंत्रशास्त्र और औपनिषदिक तथ्यों की गहराईयो को स्पर्श करते हुए जिस प्रकार से उन भावों को आपकी अति विशिष्ट शैली में कलम, कलर और कला का अनुपम समन्वय किया गया है । वह अपने आप में अप्रतिम एवं प्रशंसनीय है ।

Vision's of Blue God में जिस प्रकार से प्रस्तुत भावों को आपने अभिव्यक्त किया है । उसमें श्रीकृष्ण परक जो विषय प्रस्तुत किया गया है उसकी विषय प्रस्तुति अभी तक की श्रीकृष्ण चित्रावलीयों की विविध शैलीयो में इस Concept का अपने आपमें एक विशिष्ट सौंदर्य और स्थान है । आपकी यह चित्र शैली आपके हृदय में प्रस्फुरित होने वाले विविध श्रीकृष्ण चरित्र के लीला भावो का इसी प्रकार से चित्रांकन होता रहे, जिसे सम्पूर्ण विश्व कला जगत चिरकाल तक अपने हृदय-पटल में अंकित करता रहे । यही मेरी मंगल कामना एवं अभिनंदन की शुभ-भावना व्यक्त कर रहा हूँ ।

आपके अतःकरण में विराजमान परम कल्याणकारी कलानिधि श्री कृष्ण को शत् शत् सदैव्य वंदन ।

अनंत अभिनंदन सह,

भवदीय,


(गो.श्री द्वारकेशलालजी महाराजश्री)

